महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

व्यक्ति की गरिमा के लिए सामाजिक रक्षा जरूरी : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

सामाजिक रक्षा मुद्दे पर समाज कार्य शिक्षकों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्घाटित

वर्धा, 16 दिसंबर 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा अनुदानित एवं विश्वविद्यालय के वर्धा समाज कार्य संस्थान की ओर से 'सामाजिक रक्षा मुद्दे पर समाज कार्य शिक्षकों हेतु तीन दिवसीय (16-18 दिसंबर) प्रशिक्षण कार्यक्रम' के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता

करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि व्यक्ति की गरिमा के लिए सामाजिक रक्षा जरूरी है। भारत सरकार ने सामाजिक रक्षा की दिक्षा में जो नीतियां लागू की है उनको लेकर जागरूकता की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली के उपनिदेशक संजय पवार ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मंत्रालय की ओर से नशा मुक्ति, बाल यौन शोषण, तृतीय पंथी, वृद्ध का कल्याण आदि के लिए योजनाएं चलाता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक भेद भाव मिटाने के लिए देश भर में जागरूकता लाने के लिए एक

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

नोडल एजंसी के रूप में सामाजिक रक्षा संस्थान काम करता है। प्रास्ताविकी में वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो. बंशीधर पाण्डेय ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से 40 से अधिक शिक्षक शामिल हुए हैं। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार, 16 दिसंबर को कस्तूरबा सभागार में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य वर्धा समाज कार्य संस्थान के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के बालराजु ने दिया। संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया तथा कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील ने आभार माना। संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. वागीश राज शुक्ल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर अध्यापक शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्यामें उपस्थित थे।

व्यक्तीच्या प्रतिष्ठेसाठी सामाजिक संरक्षण आवश्यक : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
सामाजिक संरक्षण विषयावर सामाजिक कार्य शिक्षकांसाठीतीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्घाटन

वर्धा, 16 डिसेंबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात सामाजिक न्याय आणि सक्षमीकरण मंत्रालय, भारत सरकारच्या अंतर्गत राष्ट्रीय सामाजिक संरक्षण संस्था द्वारे अनुदानित आणि विश्वविद्यालयाच्या वर्धा समाज कार्य संस्थानच्या वतीने 'सामाजिक संरक्षण विषयावर सामाजिक कार्य शिक्षकांसाठी तीन दिवसीय (16-18 डिसेंबर) प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे' उद्घाटन सत्राचे अध्यक्ष म्हणून बोलतांना कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह म्हणाले की व्यक्तीच्या प्रतिष्ठेसाठी सामाजिक संरक्षण आवश्यक आहे. भारत सरकारने सामाजिक सुरक्षेच्या दिशेने जी धोरणे राबवली आहेत, त्याबाबत समाजात जागृती करण्याची गरज आहे. कार्यक्रमात विशेष वक्ते म्हणून राष्ट्रीय सामाजिक संरक्षण संस्था, नवी दिल्लीचे उपसंचालक संजय पवार यांनी सामाजिक न्याय व सक्षमीकरण मंत्रालयामार्फत राबविण्यात येत असलेल्या विविध योजनांची माहिती देताना सांगितले की, मंत्रालय व्यसनमुक्ती, बाल, तरुणांचे शोषण, तृतीयपंथीय, वृद्धांचे कल्याण इत्यादींसाठी योजना चालवते. सामाजिक भेदभाव नष्ट करण्यासाठी देशभरात जनजागृती करण्यासाठी सामाजिक रक्षा संस्था नोडल एजन्सी म्हणून काम करते असेही ते म्हणाले. वर्धा समाज कार्य संस्थानचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे म्हणाले की, या प्रशिक्षण कार्यक्रमात महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आणि छत्तीसगड या राज्यातील 40 हून अधिक शिक्षक सहभागी झाले आहेत. सोमवार, १६ डिसेंबर रोजी कस्तुरबा सभागृहात पाहुण्यांच्या हस्ते दीपप्रज्ज्वलन करून तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्घाटन करण्यात आले. कार्यक्रमाचे स्वागत वर्धा समाज कार्य संस्थानचे असोशिएट प्रोफेसर डॉ. के. बालराजू यांनी केले. संचालनसहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल यांनी केले तर कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील यांनी आभार मानले. संस्कृत विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. वागीश राज शुक्ल यांनी मंगलाचरण सादर केले. कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीताने तर राष्ट्रगीताने सांगता झाली. यावेळी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.